महत्वपूर्ण एवं खास

मध्य रेलवे के पुणे रेल मंडल में कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा

रायपुर (आरएनएस)। मध्य रेलवे पुणे रेल मंडल के रूकड़ी- गुड़ बाजार एवं मिरज जंक्शन-छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस सेक्शन में नॉन इंटर लोकिंग का कार्य के कारण गोंदिया और कोल्हापुर के मध्य चलने वाली स्पेशल ट्रेन प्रभावित रहेगी। रेल मंडल के अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 05, 06 एवं 07 अगस्त को गोंदिया से चलने वाली 01040 गोंदिया-कोल्हापुर स्पेशल ट्रेन मिरज जंक्शन समाप्त होगी एवं 06, 07 एवं 08 अगस्त को कोल्हापुर से चलने वाली गाड़ी मिरज जंक्शन से ही 01039 कोल्हापुर-गोंदिया स्पेशल ट्रेन बनकर गोंदिया के लिए रवाना होगी।

पांच लाख रूपए तक के मुफ्त ईलाज के लिए 31 तक बनेंगे आयुष्मान कार्ड

कोरबा (आरएनएस)। पांच लाख रूपए तक के सालाना मुफ्त ईलाज के लिए 31 अगस्त तक हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के तहत यह कार्ड नजदीकी च्वाइस सेंटर या कॉमन सर्विस सेंटर में निःशुल्क बनाया जा रहा है। कार्ड बनाने के लिए हितग्राहियों को राशनकार्ड के साथ अपना आधार कार्ड लेकर च्वाइस सेंटर जाना होगा। परिवार की पात्रता के आधार पर क्रियाशील अंत्योदय कार्ड, प्राथमिकता राशन कार्डधारी परिवार और सामाजिक-आर्थिक संगणना 2011 से चयनित परिवारों को पांच लाख रूपए तक ईलाज के लिए सालाना सुविधा इन कार्डों से मिलेगी। इसी प्रकार शेष राशनकार्ड धारी परिवारों को सालाना 50 हजार रूपए तक का निःशुल्क ईलाज पंजीकृत शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में आयुष्मान कार्ड के द्वारा मिलेगा। जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. बी. बोडे ने जिले वासियों से नजदीकी च्वाइस सेंटर जाकर 31 अगस्त के पहले आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की है ताकि आवश्यकता पड़ने पर पूरे साल उनका निःशुल्क ईलाज हो सके।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर 0.25 प्रतिशत

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर 6 अगस्त को 0.25 प्रतिशत रही है। इस दिन प्रदेश भर में हुए 43 हजार 810 सैंपलों की जांच में 109 व्यक्ति संक्रमित पाए गए। राज्य के सभी जिलों में संक्रमण की दर एक प्रतिशत से नीचे है। विभिन्न जिलों में संक्रमण की दर शून्य प्रतिशत से लेकर अधिकतम 0.74 प्रतिशत तक है। प्रदेश के सात जिलों राजनांदगांव, बेमेतरा, कबीरधाम, गरियाबंद, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और सूरजपुर में 6 अगस्त को कोरोना संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया है।

तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलटने से बाईक सवार दबे,एक की मौत एक घायल

रायपुर (आरएनएस)। तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पलटने से बाईक सवार दो व्यक्ति ट्रक के नीचे दब गए। जिसके चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा दूसरा व्यक्ति घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम लखना नवापारा जिला रायपुर निवासी घासीराम यादव 44 वर्ष पिता कन्हैया यादव ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि 06 अगस्त को प्रार्थी अपने साथी परदेशी राम यादव 45 वर्ष पिता लट्टूराम यादव निवासी ग्राम लखना नवापारा को अपने बाईक पर बैठाकर लेकर जा रहा था तभी दोपहर 3.50 के करीब जौदाभाठा रोड नवापारा के पास तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेसी 8598 अनियंत्रित होकर उनके उपर पलट गई। जिसके चलते बाईक के पीछे बैठे परेदशी राम यादव की मौके पर ही मौत हो गई तथा वह गंभीर रुप से घायल हो गया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ धारा 337,279,304 ए के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन का काम एक अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है - मुख्यमंत्री

» वर्ष 2021-22 में 22.14 लाख घरों में नल कनेक्शन देने का लक्ष्य

» राज्य सरकार की नरवा योजना से बढ़ रहा भूजल स्तर

» वर्ष 2023 तक राज्य के हर घर में मुफ्त नल कनेक्शन का लक्ष्य

मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर में आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार, कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविंद्र चौबे, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के संचालक भरतलाल, सु रूपा मिश्रा और अमित शुक्ला, छत्तीसगढ़ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन का काम एक अभियान के रूप में किया जा रहा है। वर्ष 2023 तक राज्य के हर घर में मुफ्त नल कनेक्शन देने का लक्ष्य है। इस मिशन में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर के मान से जल की आपूर्ति की जानी है। इस मापदंड को ध्यान में रखते हुए लंबे समय तक जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की नरवा विकास योजना में वॉटर रिचार्जिंग का काम बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। पिछले ढाई वर्षों में वन विभाग तथा जल संसाधन विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभागों के समन्वय से किए जा रहे वॉटर रिचार्जिंग के कार्य से कई क्षेत्रों के जल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ नया और पिछड़ा राज्य है, इसलिए जल जीवन मिशन के लिए केन्द्रांश की राशि 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के 14 जिले नक्सल प्रभावित हैं, इन जिलों में सघन वन हैं, इन क्षेत्रों की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बिजली नहीं पहुंची है। वनांचल बाहुल्य क्षेत्र में योजना की लागत बढ़ जाती है। छत्तीसगढ़ को केन्द्र सरकार से जीएसटी की राशि मिलना भी शेष है।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि नागरिकों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता जीवन की मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए भारत सरकार और राज्य सरकार जल जीवन मिशन के कार्यो को प्राथमिकता से पूरा कर रही है। वर्ष 2024 तक देश के हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य है और बहुत से राज्य इस लक्ष्य को तेजी से पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा इस मिशन के लिए राज्यों को सामान्य रूप से 50 प्रतिशत राशि उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे गांव जहां पहले से ही नलजल योजना संचालित हैं और वहां कुछ घरों में पानी पहुंचाने का काम बच गया है, ऐसे गांवों में प्राथमिकता के आधार पर जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण किए जाएं तो इससे कार्य में गति आएगी।

12 लाख रूपए मूल्य की 172 नग इमारती चीरान जब्त

» वन मंत्री के निर्देशन में विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अभियान

रायपुर (आरएनएस)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशानुसार राज्य में वन विभाग द्वारा वन अपराधों की रोकथाम सहित वनों की सुरक्षा के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में 6 अगस्त को जगदलपुर, माचकोट परिक्षेत्र की संयुक्त टीम द्वारा बस्तर वनमंडल जगदलपुर के ग्राम छोटेमुरमा के चेपड़ापारा में चार घरों में दबिश देकर लगभग 12 लाख रूपए मूल्य की 172 नग सागौन, साल तथा बीजा आदि प्रजाति के चीरान की जब्ती की कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई मुख्य वन संरक्षक मो. शाहिद, सु स्टायलो मण्डावी बस्तर वनमण्डल जगदलपुर और उपवनमण्डलाधिकारी जगदलपुर श्रीमती सुषमा जे. नेताम के मार्गदर्शन के निर्देशन में गठित विभागीय टीम द्वारा की गई।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छोटेमुरमा निवासी कृष्ण कुमार के घर से 47 नग, बलराम के घर से 35 नग, लक्षिम के घर से 84 नग और फूलसिंह के घर से 6 नग चीरान की जब्ती की गई, जिसकी अनुमानित लागत 12 लाख रूपए है। विभाग द्वारा लगातार जब्ती कार्यवाही की जा रही है। वन मंत्री अकबर ने तस्करी वाले क्षेत्रों में गहन गश्ती के निर्देश दिए हैं। जिसके परिपालन में वनोपज जांच नाकों में गहन तालाशी का अभियान जारी है। जिससे काष्ठ की तस्करी और अवैध निकासी को रोकने में मदद मिल रही है।

दपूमरे ने एचओजी प्रणाली से लगभग 15 करोड़ रुपए के डीजल की बचत की

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में हेड ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली की स्थापना से पिछले 16 महीनों में लगभग 15 करोड़ रुपए के डीजल की बचत की गई है।

रेल मंडल रायपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अत्याधुनिक 'हेड ऑन जेनरेशन' (एचओजी) प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 15 ट्रेनें हरित यानी 'ग्रीन' ट्रेन हो गई है। अब ये ट्रेनें महंगे डीजल ईंधन को जलाने की बजाय ओवर हेड उपकरण (ओएचई) के माध्यम से सीधे ग्रिड से बिजली ले रही है।

एचओजी इंजन से सीधे इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पावर केबल की शक्ति का उपयोग करके प्रकाश और एयर कंडीशनिंग के लिए कोचों को विद्युत आपूर्ति करने की एक प्रणाली है। एलएचबी आधारित ट्रेनों के कोचों के लिए विद्युत उत्पादन के सबसे आम तरीके को एंड ऑन जेनरेशन (ईओजी) कहा जाता है। प्रत्येक एलएचबी गाड़ियों पर कोचों को विद्युत आपूर्ति करने के लिए डीजल इंजन ले जाने वाली पावर कार के दो सेट होते थे जिसमें कोच में लाइट और एयर कंडीशनिंग के लिए बिजली की आपूर्ति ट्रेन के दोनों सिरों पर लगाए गए विद्युत कारों में उपलब्ध डीजल जेनरेटर सेट के माध्यम से की जाती है । अब इन सभी 15 ट्रेनों में इंजन के माध्यम से ओवर हेड उपकरण (ओएचई) से विद्युत की सप्लाई की जा रही है ।

ट्रेनों में एचओजी प्रणाली से लाभ: ट्रेनों में एचओजी प्रणाली से निम्नलिखित लाभ मिल रहे है जो इस प्रकार है इससे डीजल की नगण्य खपत के परिणाम स्वरूप 10 करोड़ रुपये से भी अधिक मूल्य की डीजल की वार्षिक बचत। डीजल जलने से होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के लिए विद्युत परिवहन व्यवस्था की ओर अग्रसर। ट्रेनों में उच्च क्षमता वाले डीजल जनरेटर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण का उन्मूलन कर इस प्रकार यात्रियों की सुविधा में वृद्धि करता है।

राजनांदगांव में राखियों के बाद अब वर्मी कंपोस्ट भी अमेजन पर

» ऑन लाइन प्लेटफार्म पर अब तक 70 हजार रुपये से अधिक की बिक्री

» महिला समूहों द्वारा अब तक 1.5 करोड़ रुपये के खाद की ब्रिकी

राजनांदगांव (आरएनएस)। प्रदेश के राजनांदगांव जिले में स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित वर्मी कंपोस्ट की बिक्री स्थानीय स्तर पर किये जान के साथ-साथ अब ऑन-लाइन प्लेटफार्म अमेजन के माध्यम से भी की जा रही है। इससे अब इन स्वसहायता समूह की महिलाओं को देशभर से आर्डर मिलने लगे हैं। अमेजन के माध्यम से अब तक 70 हजार रुपए से अधिक के वर्मी कंपोस्ट की बिक्री की जा चुकी है। इससे पहले स्वसहायता समूहों द्वारा हस्तनिर्मित राखियां भी अमेजन पर बिक्री के लिए उतारी जा चुकी हैं।

राजनांदगांव जिले के गांव-गांव में बनाए गए गोठानों के माध्यम से स्वसहायता समूहों द्वारा आजीविका संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पिछले हरेली तिहार से शुरू की गई गोधन न्याय योजना के तहत किसानों और पशुपालकों से 2 रूपए किलो की दर से खरीदे जा रहे गोबर से गोठानों में वर्मी कंपोस्ट का निर्माण इन समूहों द्वारा किया जा रहा है। जिले में 358 गोठानों में तैयार किये जा रहे वर्मी कंपोस्ट की बिक्री शासकीय विभागों तथा आम किसानों को की जाती रही है, लेकिन अब इन स्वसहायता समूहों की महिलाओं ने अमेजन के माध्यम से अपने लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी बाजार तलाश लिया है। इस ऑनलाइन माध्यम से उत्पाद की बिक्री के लिए उन्हें जिला प्रशासन द्वारा मदद की जा रही है। अब तक मुंबई, बैंगलुरू, मध्यप्रदेश, रांची, कोलकाता सहित अनेक महानगरों से आर्डर मिल चुके हैं। गोधन न्याय योजना के तहत जिले में अब तक 76 हजार क्विंटल वर्मी कंपोस्ट तैयार किया जा चुका है तथा 52 हजार क्विंटल खाद की बिक्री जिले के स्वसहायता समूहों द्वारा की जा चुकी है। समूह की महिलाओं के खाते में अब तक 1.5 करोड़ रूपये जमा हो चुके है।

प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 90 प्रतिशत लोग लगवा चुके हैं कोरोना से बचाव का पहला टीका

» पहली और दूसरी खुराक को मिलाकर अब तक 1.28 करोड़ टीके लगाए गए

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 90 प्रतिशत लोगों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। पहली और दूसरी, दोनों खुराकों को मिलाकर राज्य में अब तक (6 अगस्त तक) कुल एक करोड़ 28 लाख 25 हजार 432 टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें से एक करोड़ दो लाख 72 हजार 054 पहली डोज के रूप में और 25 लाख 53 हजार 378 दूसरी डोज के रूप में लगाए गए हैं। प्रदेश में तीन लाख नौ हजार 462 स्वास्थ्य कर्मियों, तीन लाख 17 हजार 386 फ्रंटलाइन वर्कर्स, 45 वर्ष से अधिक के 52 लाख 51 हजार 984 और 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 43 लाख 93 हजार 222 नागरिकों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। वहीं दो लाख 46 हजार 229 स्वास्थ्य कर्मियों, दो लाख 32 हजार 109 फ्रंटलाइन वर्कर्स, 45 वर्ष से अधिक के 18 लाख 12 हजार 920 तथा 18 से 44 आयु वर्ग के दो लाख 62 हजार 120 लोगों को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं।

आपसी विवाद में मामा ने अपने ही भांजे की कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

» पुलिस ने हत्या के आरोपी मामा को किया गिरफ्तार

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मांदलापाल में आज शनिवार के दोपहर को पुरानी रंजिश के चलते मामा बलिराम कोर्राम ने अपने ही भांजे गोबरु राम कश्यप की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी है। घटना के बाद से फरार आरोपी को पुलिस ने कुछ ही देर बाद गिरफ्तार भी कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते कल शुक्रवार को गांव में सभी ग्रामीण हरेली त्यौहार मना रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर रिश्ते में भांजा गोबरु राम कश्यप और मामा बलिराम कोर्राम के बीच विवाद हो गया। विवाद होने पर गोबरु राम कश्यप ने आवेश में आकर बलिराम कोर्राम को दो-तीन थप्पड़ जड़ दिया। विवाद होता देख गांव के अन्य ग्रामीणों ने दोनों को समझाया और शांत कराया। इसके बाद दोनों अपने अपने घर चले गए। आज सुबह गोबरु राम गांव के सरपंच के पास विवाद को लेकर माफी मांगने पहुंचा हुआ था। बताया गया कि विवाद के चलते गोबरु राम बहुत दुःखी था, और वह अपने मामा से माफी मांगना चाहता था। सरपंच से मिलने के बाद गोबरु राम काम करने अपने खेत की ओर चला गया। गोबरु राम खेत में काम कर ही रहा था तभी अचानक बलिराम कोर्राम ने कुल्हाड़ी से उसके सिर पर पीछे से ताबतोड़ हमला करना शुरू कर दिया। इस हमले में गोबरु राम बहुत ही बुरी तरह से घायल हो गया। हमला करने के

बाद मामा बलिराम कोर्राम वहां से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों ने घटना की सूचना डायल 112 और संजीवनी एम्बुलेंस 102 को दी। सूचना पर डायल 112 और संजीवनी एम्बुलेंस 108 की टीम घायल को भानपुरी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने गोबरु को मृत घोषित कर दिया।

भानपुरी टीआई राजेश मरई ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी आरोपी की तलाश में जुट गई थी। और कुछ ही देर में पुलिस ने भुट्टे के खेत में छिपकर बैठे आरोपी बलिराम कोर्राम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं० 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुश सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक उन्नयन अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता फैला करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आकलन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

गौठानों में 8 को धूमधाम से मनेगा हरेली पर्व, पारंपरिक खेल कूद एवं व्यंजन प्रतियोगिताएं होंगी

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य का खेती-किसानी से जुड़ा हरेली पर्व 8 अगस्त को पूरे राज्य में धूमधाम से मनाया जाएगा। हरेली पर्व के दिन सुराजी गांव योजना के अंतर्गत निर्मित गौठानों में कृषि यंत्रों और गोधन की पूजा अर्चना के साथ ही पारंपरिक खेल-कूद एवं व्यंजन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी मंत्रीगणों, संसदीय सचिव, निगमों-मंडलों, आयोगों के पदाधिकारियों को गौठानों में आयोजित होने वाले हरेली पर्व के कार्यक्रम में शामिल होने तथा लोगों से बातचीत कर गौठान एवं गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन की स्थिति को बेहतर बनाने की पहल के निर्देश दिए हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ बीते वर्ष हरेली पर्व के दिन 20 जुलाई को किया गया था। गोधन न्याय योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक ऐसी योजना है, जिसकी लोकप्रियता एवं चर्चा छत्तीसगढ़ राज्य ही नहीं वरन देश हो रही है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 20 जुलाई 2020 को हरेली पर्व के दिन से पशुपालकों, ग्रामीणों से 2 रुपए किलो की दर से गोबर क्रय किए जाने की शुरुआत की गई। गौठानों में क्रय गोबर से वर्मी कंपोस्ट, सुपर कंपोस्ट, सुपर कंपोस्ट प्लस खाद का निर्माण किए जाने के साथ ही महिला स्व-सहायता समूह द्वारा विविध उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। बीते एक साल में गोधन न्याय योजना के जरिए पशुपालक ग्रामीणों से 97.55 करोड़ रूपए का गोबर क्रय कर अब तक लगभग 10 लाख क्विंटल वर्मी खाद का निर्माण किया जा चुका है। इस योजना के जरिए गोबर की खरीदी होने से ग्रामीणों, पशुपालक-किसानों को सीधे लाभ प्राप्त होने लगे हैं। गौठान और गोधन न्याय योजना के माध्यम से ग्रामीण अंचल में शुरू हुई आयमूलक गतिविधियों ने राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक गति प्रदान की है। गोधन न्याय योजना के राज्य नोडल अधिकारी एवं कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विशेष सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने गौठानों में 8 अगस्त को हरेली पर्व के आयोजन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने राज्य के सभी संभागायुक्तों, कलेक्टरों जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, नगर निगमों के आयुक्तों सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारियों को भेजे अपने पत्र में हरेली पर्व के पावन अवसर पर गौठानों में पारंपरिक खेल जैसे गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, रस्सा-कस्सी, भौंरा, नारियल फेक प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन आदि की प्रतियोगिताओं का आयोजन करने के साथ ही गौठान प्रबंधन समिति, स्व-सहायता समूह एवं जनप्रतिनिधियों से गौठानों की गतिविधियों के संबंध में चर्चा-परिचर्चा का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।